PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 046
दि. 15.06.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सीएम योगी बोले-अब युवाओं को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा- दक्षिणांचल को दी 295 करोड़ रुपये की सौगात

(जीएनएस)।

गोरखपुर, सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र होने के कारण दक्षिणांचल की समस्याओं से सरकार भली-भांति परिचित है। बाढ़ और कटान से बचाव के लिए जो भी आवश्यक होगा, उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के सांसद और विधायक द्वारा विकास कार्यों को गति देने के प्रयासों की भी सराहना की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चिल्लूपार की धरती सरयू मां के आंचल में बसी है और यहां के युवाओं ने देश ही नहीं, विदेशों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि रोजगार के लिए युवाओं को बाहर न जाना पड़े, बल्कि निवेश और उद्योगों के माध्यम से रोजगार के अवसर जनपद के दक्षिणांचल में उपलब्ध हों।

शनिवार को क्षेत्र के महुआपार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चिल्लूपार में 295 करोड़ की लागत वाली 319 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास एवं विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज क्षेत्र में निवेश के प्रस्ताव आ रहे हैं और सरकार युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि राम-जानकी मार्ग को बेहतर बनाने के साथ-साथ क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए अनेक विकास कार्य किए गए हैं। आयुष शिक्षा के क्षेत्र में भी चिल्लूपार नई पहचान बना रहा है और यहां से आयुष चिकित्सक तैयार हो रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र होने के कारण दक्षिणांचल की समस्याओं से सरकार भली-भांति परिचित है। बाढ़ और कटान से बचाव के लिए जो भी आवश्यक होगा, उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के सांसद और विधायक द्वारा विकास कार्यों को गति देने के प्रयासों की भी सराहना की।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि पांच सौ वर्षों तक चली पीड़ा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समझा और उसके समाधान का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले जनता के विकास के बजाय परिवारवाद को प्राथमिकता दी जाती थी।

वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में भर्ती प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद हावी था, लेकिन आज उत्तर प्रदेश की पहचान बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश तेजी से औद्योगिक विकास की ओर बढ़ रहा है। नए उद्योग स्थापित हो रहे

हैं, निवेश बढ़ रहा है और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं।

सरकार विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ रही है, जिससे उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक है।

उन्होंने मुख्यमंत्री को क्षेत्र की बाढ़ की समस्या और उससे होने वाली जन-धन की क्षति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सरकार ने ग्रेटर गीडा धुरियापार क्षेत्र के औद्योगिक विकास को नई गति दी है, जिससे रोजगार और निवेश के अवसर बढ़े हैं। पिछले दस वर्षों में प्रदेश ने विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में भयमुक्त वातावरण स्थापित हुआ है और प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। विधायक राजेश त्रिपाठी ने सभा में उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का इस क्रांतिकारी धरती पर आगमन क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने चिल्लूपार के माथे पर लगे पिछड़ेपन के दाग को मिटाने का कार्य किया है। आज उत्तर प्रदेश विकास और सुशासन के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है, जिसे देखकर पूरी दुनिया हैरान है। मुख्यमंत्री ने चिल्लूपार की धरती पर विकास की गंगा बहाने का काम किया है।

जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, विधायक डॉ विमलेश पासवान, डॉ संजय निषाद, श्रवण निषाद, प्रदीप शुक्ला, महेंद्रपाल सिंह, जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, जिला पंचायत सदस्य आलोक कुमार गुप्ता, भाजपा नेत्री अस्मिता चंद, ब्लॉक प्रमुख रामआशीष राय, शिवाजी चंद, चेयरमैन प्रीति उमर, लालती देवी, जिला पंचायत सदस्य मायाशंकर शुक्ल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में किया जनता दर्शन, 200 लोगों की सुनी समस्याएं

(जीएनएस)।

गोरखपुर. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित दिग्विजय नाथ स्मृति भवन के बाहर 'जनता दर्शन' किया. यहां प्रदेश के विभिन्न जनपदों से लगभग 200 लोग अपनी पीड़ा लेकर पहुंचे थे. मुख्यमंत्री ने एक-एक कर सभी की समस्या सुनी और उचित निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया. मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है, सभी की समस्या का उचित निदान कराएगी. सीएम योगी ने मामलों के निस्तारण के लिए प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण निष्पक्ष और समयसीमा के भीतर होना चाहिए.

'जनता दर्शन' में पुलिस व राजस्व संबंधी शिकायतों पर सीएम ने सख्त रुख अपनाया. उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि राजस्व संबंधी शिकायतों के निस्तारण में किसी भी

स्तर पर लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए. किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी. समयसीमा के भीतर पीड़ितों को न्याय दिलाना सुनिश्चित करें.

इलाज की चिंता सरकार पर छोड़ दें

इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से मुख्यमंत्री ने कहा कि आप परिजनों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. इलाज की चिंता सरकार पर छोड़ दें, सरकार इलाज में मदद करेगी. जरूरतमंद लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा. लोगों को विवेकाधीन कोष से भी सहायता दिलाई जाएगी. मुख्यमंत्री ने हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया.

गोरक्षपीठाधीश्वर ने की गोसेवा, बच्चों पर लुटाया प्यार

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान रविवार सुबह भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही. प्रातःकाल महायोगी गुरु गोरखनाथ, ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी का आशीर्वाद लेने के बाद सीएम योगी ने मंदिर की गोशाला में गोसेवा की. गोवंश को अपने हाथ से गुड़-रोटी खिलाकर उन पर स्नेह बरसाया. फिर मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए परिजनों के साथ आए बच्चों को पास बुलाकर उन्हें दुलारा, पढ़ाई के बारे में बातचीत की और उन्हें चॉकलेट दी. 'जनता दर्शन' के दौरान भी सीएम ने बच्चों को चॉकलेट दी और खूब मन लगाकर पढ़ने-आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया.

प्रधान सीसीए, दिल्ली कार्यालय ने विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर, दूरसंचार विभाग के प्रधान संचार

लेखा नियंत्रक दिल्ली कार्यालय ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली के सहयोग से आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्घाटन दिल्ली की प्रधान संचार लेखा नियंत्रक सुश्री आशा रूंगटा ने किया, जिन्होंने कर्मचारियों को अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। "मानवता की एक बूंद" रक्त दें। जीवन बचाएं नारे के तहत।

प्रधानमंत्री मोदी की पहलों से मणिपुर को पिछले 12 सालों में बहुत फायदा हुआ है मुख्यमंत्री सिंह

(जीएनएस)।

इंफाल, मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने रविवार को पिछले 12 सालों में भारत की शानदार तरक्की का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दूरदर्शी लीडरशिप' को दिया। उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, हेल्थकेयर, खेल, कनेक्टिविटी और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में केंद्र सरकार की पहलों से मणिपुर को काफी फायदा हुआ है, जिससे राज्य के विकास और तरक्की में तेजी आई है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के भरोसे, तरक्की और कल्याण के 12 साल के जश्न के सिलसिले में इंफाल में मुख्यमंत्री सचिवालय के दरबार हॉल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन की तारीफ की। उनके मार्गदर्शन में ही 2014 से भारत ने अलग-अलग क्षेत्रों में काफी तरक्की की है।

उन्होंने कहा कि खास तौर पर मणिपुर को इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, हेल्थकेयर, खेल, कनेक्टिविटी और सामाजिक कल्याण से जुड़ी कई बड़ी पहलों से फायदा हुआ है, जिसने पीएम मोदी के कार्यकाल के दौरान राज्य के विकास और तरक्की में अहम योगदान दिया है।

सिंह ने कहा कि पीएम मोदी अब तक भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बन गए हैं।

एनडीए सरकार की कुछ अहम उपलब्धियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिपुर के खिलाड़ियों के शानदार खेल कौशल और जज्बे को देखते हुए, पीएम मोदी की अगुवाई में राज्य में देश का पहला 'नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी' बनाया गया।

पीएम मोदी दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण में स्लोवाकिया पहुंचे, किया गया जोरदार स्वागत

(जीएनएस)।

ब्रातिस्लावाः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण के लिए स्लोवाकिया पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया. यहां वह राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको से बातचीत करेंगे और बिजनेस लीडर्स से बातचीत करेंगे.

पीएम मोदी 1993 में स्लोवाकिया की आजादी के बाद वहां जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं. रविवार रात स्लोवाक की राजधानी पहुंचने के बाद एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा, 'यह दौरा भारत-स्लोवाकिया के रिश्तों को गहरा करने और सहयोग के नए रास्ते तलाशने का मौका देता है. राष्ट्रपति पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री फिको के साथ अच्छी मीटिंग का इंतजार है.'

प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ नीस में दो-तरफा बातचीत करने के बाद दो दिन के दौरे (14-16 जून) पर ब्रातिस्लावा पहुंचे. उन्होंने फ्रांस में 'भारत इनोवेट्स' इवेंट के उद्घाटन में भी हिस्सा लिया.

विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक

पोस्ट में कहा, 'होटल पहुंचने पर स्लोवाक रिपब्लिक के विदेश और यूरोपियन मामलों के मंत्री, मिस्टर जुराज ब्लानार ने पीएम का स्वागत किया और उन्हें ब्रेड और नमक से स्लोवाक में गर्मजोशी से स्वागत किया गया जो मेहमाननवाजी, सम्मान और सद्भावना का प्रतीक है.'

यात्रा से पहले अपने जाने वाले बयान में पीएम मोदी ने कहा, 'यह ऐतिहासिक यात्रा हमारे द्विपक्षीय संबंधों में मजबूत रफ़्तार को और आगे बढ़ाती है. मैं राष्ट्रपति पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री फिको के साथ बातचीत करने का इंतजार कर रहा हूं. मुझे स्लोवाक बिजनेस लीडर्स से बातचीत करने का भी मौका मिलेगा.'

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह यात्रा यूरोपियन यूनियन के साथ भारत की स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को और मजबूत करेगी, जिसका स्लोवाकिया एक महत्वपूर्ण और अहम सदस्य है. विदेश मंत्रालय (टएअ) के एक बयान में कहा गया है कि यह यात्रा अप्रैल 2025 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की स्लोवाकिया की स्टेट विजिट और फरवरी 2026 में एआई इम्पैक्ट समिट के लिए स्लोवाक राष्ट्रपति पेलेग्रिनी की भारत यात्रा के बाद हो रही है.

9 जून को जारी बयान में कहा गया, 'यह दौरा ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, ऑटोमोबाइल और रेलवे मैन्युफैक्चरिंग समेत अलग-अलग सेक्टर में स्लोवाकिया के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के भारत के कमिटमेंट को पक्का करेगा.' शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में पेलेग्रिनी ने कहा, 'प्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मैं सोमवार को ब्रातिस्लावा में आपका स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं.

आपकी ऐतिहासिक यात्रा नई दिल्ली से हमारी अच्छी बातचीत को आगे बढ़ाएगी और स्लोवाकिया-भारत सहयोग के लिए नए मौके खोलेगी.' पीएम मोदी 16-17 जून को एवियन में जी7 समिट में हिस्सा लेने के लिए फ्रांस लौटेंगे. समिट में पीएम मोदी के जी7 नेताओं और बुलाए गए पार्टनर देशों के साथ इंटरनेशनल सहयोग, इकोनॉमिक ग्रोथ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने की उम्मीद है.

प्रोजेक्ट जीआईबी के तहत तीन चूजे शामिल किए गए हैं, जिससे बंदी पक्षियों की कुल संख्या 94 हो गई है: केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव

(जीएनएस)।

बंदी प्रजनन के चौथे वर्ष में अब तक 26 चूजे निकले हैं

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को बताया कि प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी) ने पिछले कुछ दिनों में संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम में तीन और चूजों को शामिल किया है, जिससे बंदी प्रजनन के चौथे वर्ष में अब तक पैदा हुए चूजों की कुल संख्या 26 हो गई है।

श्री यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस जानकारी को साझा करते हुए बताया कि तीन नए चूजे एक जंगली अंडे और दो बंदी अंडों से निकले हैं। उन्होंने कहा कि अब बंदी पक्षियों की संख्या बढ़कर 94 हो गई है और इस मौसम में और भी चूजों के जन्म की उम्मीद है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जीआईबी के बंदी प्रजनन के चौथे वर्ष में अब तक 26 चूजे निकले हैं, जिनमें से 18 कृत्रिम गभार्धान के माध्यम से, चार प्राकृतिक प्रजनन के माध्यम से और चार जंगली

अंडों से निकले हैं।

श्री यादव ने आगे कहा कि जंगली अंडों के बदले, राजस्थान में 'जंपस्टार्ट इंटरवेंशन' के जरिए तीन चूजे प्राकृतिक माहौल में निकले हैं; इसका मकसद शुरूआती जेनेटिक विविधता को बेहतर बनाना और शिकार होने के जोखिम को कम करना है।

आईएनएस शारदा ने कोलंबो, श्रीलंका का सफल दौरा किया

आईएनएस शारदा 13 जून 2026 को कोलंबो, श्रीलंका से रवाना हुई। इस सफल दौरे ने भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग और मित्रता को और मजबूत किया। इस दौरे में श्रीलंका की नौसेना के साथ कई

पेशेवर, प्रशिक्षण और खेल संबंधी गतिविधियाँ शामिल थी।

श्रीलंका नौसेना के कर्मियों ने क्षमता विकास पहलों के अंतर्गत छोटे हथियारों के संचालन, बुनियादी अग्निशमन, प्राथमिक चिकित्सा और बचाव प्रक्रियाओं में भाग लिया।

सीएम योगी के 'चेले चपाटे' वाले बयान पर अखिलेश यादव का पलटवार, बोले- '2017 से पहले उन्हें कोई...'

(जीएनएस)।

आगरा, अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी मामले सीएम योगी के बयान पर समाजवादी पार्टी प्रमुख ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि देश में बीजेपी नकारात्मक पॉलिटिक्स करती है. साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि साल 2017 से पहले सीएम योगी को कोई नहीं जानता था.

सीएम योगी के चेले चपाटे वाले बयान पर अखिलेश यादव ने कहा, "अपने गुरुओं को कौन संभालेगा? उस विषय को नहीं छेड़ना चाहता हूं. देश में बीजेपी ने नकारात्मक पॉलिटिक्स की है. हजारों करोड़ रुपये वे इस बात के लिए खर्च करते हैं कि किसी की छवि कैसे खराब की जाए. 2017 से पहले सीएम योगी की पहचान नहीं थी. 2017 से पहले लोग उनको नहीं जानते था."

इसके अलावा उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर युवाओं को नौकरियों का मुद्दा प्राथमिकता बनेगा और पेपर लीक जैसी घटनाओं को पूरी तरह रोका जाएगा. अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में छोटे कारोबारी बर्बाद हो रहे हैं, जबकि चोरत कारोबारी ही खुशहाली की बुनियाद हैं और इससे छह करोड़ से अधिक परिवार जुड़े हुए हैं.

सपा प्रमुख ने यह बयान आगरा में आयोजित प्रेस वार्ता में दिया. उन्होंने समाज के सभी वर्गों से समर्थन की अपील की और कहा कि आने वाले चुनावों में इंडिया गठबंधन बीजेपी को हरा देगा. इसके साथ ही उन्होंने अयोध्या में दानपात्र में चोरी और बंगाल चुनाव में बेईमानी को ललर बीजेपी को घेरा.

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया कि उनकी सरकार बनने पर हफ्ता वसूली पर सख्त कार्रवाई होगी, इसके साथ ही उन्होंने बताया कि वेंडर सुरक्षा हेल्प लाइन शुरू की जाएगी. वीडियो सुबूत भेजने पर 48 घंटे में एफआईआर होगी और बाजार में तैनात कर्मचारिओं के लिए बॉडी कैमरा अनिवार्य होगा. उन्होंने बिजली कटौती के स्थाई समाधान का दावा किया और ऑनलाइन कारोबार से मुकाबले के लिए छोटे व्यापारियों की मदद करने का भी ऐलान किया.

बीजेपी पर तीखा हमला करते हुए अखिलेश यादव ने बड़ो को बढाओ और छोटों को मिटाओ की नीति बताते हुए कहा कि बीजेपी सरकार कारीगरों को मजदूर बनाने पर तुली हुई है. उन्होंने कहा कि एक ताराग बीजेपी 13 साल का जश्न मना रही है कि लेकिन क्या पेट्रोल पंप पर जाकर ऐसा एहसास होता है. विश्व गुरु बनने का मौका छोड़ दिया, पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि जैसे बिना बताए पाकिस्तान चले गए थे वैसे ईरान चले जाते.

सीतापुर में प्रशासन ने खलिहान की जमीन पर बन रही मस्जिद गिरवाई, विवाह के चलते हुई कार्रवाई

थानगांव (सीतापुर)। कुर्मिनपुरवा में रविवार को बिसवां तहसील प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्षों से विवादित एवं अर्द्धनिर्मित मस्जिद के ढांचे को बुलडोजर से हटवा दिया। साथ ही मस्जिद से सटे चकमार्ग को भी अतिक्रमण मुक्त कराकर आम आवागमन के लिए खाली कराया गया।

रविवार को तहसीलदार बिसवां अनिल कुमार, लेखपाल अंकुर शेखर वर्मा, थानाध्यक्ष थानगांव विमल गौतम, थानाध्यक्ष रामपुर मथुरा श्यामू चौरसिया भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे और अर्द्धनिर्मित मस्जिद को बुलडोजर से दिया गया।

यह भी पढ़ें- बागपत में इकोनॉमिक कॉरिडोर पर टोल प्लाजा के इंचार्ज ने दी वाहन टक्कर की धमकी, इंचार्ज समेत दो कर्मचारी गिरफ्तार

साथ ही उससे सटे चकमार्ग को भी खाली कराकर अतिक्रमण मुक्त कराया गया। बताया जाता है कि आसपास तालाब और खलिहान की लगभग 25 बीघा सरकारी भूमि भी दर्ज है।

राम मंदिर के दान में घोटाले का मामला गरमाया, अयोध्या पुलिस ने पूर्व कर्मचारी के घर से बरामद किए 12 लाख रुपये

(जीएनएस)।

अयोध्याः राम मंदिर के दानपात्र से धन गबन के आरोप में रुदौली क्षेत्र के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव में छापेमारी कर 10 से 12 लाख रुपये बरामद किए गए। कार्रवाई राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में की गई। बरामदगी आरोपी लवकुश मिश्रा के घर से हुई, जो मंदिर में कर्मी के रूप में कार्यरत रहा है।

लवकुश के पिता बच्चूलाल ने बताया कि ट्रस्ट के तीन-चार लोग उनके घर पहुंचे और ताला तोड़कर नकदी अपने साथ ले गए। उन्होंने कहा कि उन्हें इस धन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी क्योंकि वे गाजियाबाद में रह रहे थे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फैजाबाद में बन रहे मकान का उनके बेटे से कोई संबंध नहीं है। मकान निर्माण के लिए उन्होंने 10-12 बीघा खेत गिरवी रखा है।

मंदिर में नौकरी के बाद बदली स्थिति

ग्रामीणों के अनुसार, लवकुश पहले कार मिस्त्री था और मंदिर में नौकरी मिलने के बाद उसकी आर्थिक स्थिति तेजी से बदली थी। वहीं गांव में यह भी चर्चा है कि कुछ रुपये घूर में छिपाकर रखे गए थे, जिन्हें पुलिस ने बरामद किया है।

पिता बोले- अपना खेत गिरवी रखकर बनवा रहा हूं मकान

आरोपी युवक लवकुश मिश्रा (27 वर्ष) राम मंदिर में कर्मी के तौर पर कार्यरत रहा। उस पर दानपात्र के चढ़ावे के पैसे का गबन करने का आरोप है। पिता बच्चूलाल ने बताया कि मेरा लड़का पिछले 5-6 महीने से राम मंदिर में काम कर रहा था। उसे वहां रवि मिश्रा ने काम पर लगवाया था। रवि मिश्रा हमारे समधी हैं। फैजाबाद में जिस मकान का निर्माण हो रहा है, उसके लिए हमने बहुत पहले जमीन खरीद ली थी। उस जमीन और मकान से मेरे लड़के का कोई लेना-देना नहीं है। मैं करीब 10-12 बीघा खेत गिरवी रखकर मकान बनवा रहा हूं। मेरा लड़का जो पैसा राम मंदिर से लेकर आया था, उसे जो लोग यहां आए थे, वे अपने साथ लेकर चले गए। अब उससे हमारा कोई मतलब नहीं है।

दान प्रकरण पर चुप रहे नृपेंद्र मिश्र, बोले- मैं केवल निर्माण कार्य देखता हूं

राम मंदिर के दानपात्र से धन गबन प्रकरण की जांच के बीच शनिवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र अयोध्या पहुंचे। उनके दौरे पर सबकी निगाहें दान विवाद को लेकर संभावित प्रतिक्रिया पर टिकी थीं, लेकिन उन्होंने इस पूरे मामले पर टिप्पणी करने से साफ इन्कार कर दिया।

महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में जब उनसे दान गड़बड़ी प्रकरण को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा, मैं केवल निर्माण कार्य देखता हूं और कुछ नहीं। इसके बाद उन्होंने दान प्रकरण से जुड़े किसी भी अन्य सवाल का जवाब नहीं दिया। नृपेंद्र मिश्र का यह बयान ऐसे समय आया है, जब राम मंदिर में दान राशि के गबन को लेकर ट्रस्ट और पुलिस स्तर पर जांच चल रही है तथा मामले में कई कर्मचारियों से पूछताछ और कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

सुबह पति की अर्थी उठी, शाम को पत्नी की... अयोध्या में एक ही दिन उजड़ गया जीवनसाथियों का साथ

अयोध्या के एक गांव में पति-पत्नी के अटूट रिश्ते की भावुक कर देने वाली कहानी सामने आई है. 80 वर्षीय भगवान तिवारी के निधन के कुछ घंटों बाद उनकी 75 वर्षीय पत्नी साची तिवारी ने भी दम तोड़ दिया. सुबह जिस घर से पति की अंतिम यात्रा निकली थी, उसी घर से शाम को पत्नी की भी अर्थी उठी, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई.

उत्तर प्रदेश के अयोध्या से पति-पत्नी के अटूट प्रेम और साथ की एक भावुक कर देने वाली कहानी सामने आई है. यहां एक बुजुर्ग महिला ने अपने पति के अंतिम संस्कार के कुछ ही घंटों बाद दम तोड़ दिया. इस घटना ने पूरे गांव को भावुक कर दिया और हर किसी की आंखें नम हो गईं.

दरअसल, मामला अयोध्या जिले के खंडासा थाना क्षेत्र के रेवली गांव का है. गांव के रहने वाले 80 वर्षीय भगवान तिवारी का रविवार तड़के उम्र संबंधी बीमारियों के चलते निधन हो गया. परिवार और ग्रामीणों के मुताबिक वह लंबे समय से बढ़ती उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे.

भगवान तिवारी के निधन की खबर मिलते ही परिवार और गांव में शोक का माहौल छा गया. सुबह से ही उनके घर पर रिश्तेदारों, ग्रामीणों और परिचितों का आना-जाना शुरू हो गया था.

सुबह हुई अंतिम विदाई

परिजनों और ग्रामीणों की मौजूदगी में भगवान तिवारी का अंतिम संस्कार रविवार सुबह करीब 11 बजे किया गया. बड़ी संख्या में लोग उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए और उन्हें

श्रद्धांजलि दी.

गांव वालों के अनुसार, अंतिम संस्कार के दौरान उनकी पत्नी साची तिवारी बेहद गमगीन थीं. पति के निधन से वह गहरे सदमे में थीं और लगातार भावुक हो रही थीं.

किसी ने भी नहीं सोचा था कि कुछ ही घंटों के भीतर परिवार को एक और बड़ा दुख झेलना पड़ेगा. अंतिम संस्कार के बाद घर लौटे परिजन अभी पहले सदमे से उबर भी नहीं पाए थे कि दूसरी दुखद खबर सामने आ गई.

पति की मौत के कुछ घंटे बाद पत्नी ने भी तोड़ा दम

ग्रामीणों के अनुसार, पति के अंतिम संस्कार के बाद 75 वर्षीय साची तिवारी की तबीयत अचानक बिगड़ गई. परिवार के लोग उनकी देखभाल में जुटे, लेकिन उनकी हालत लगातार खराब होती चली गई.

कुछ ही समय बाद साची तिवारी ने भी दम तोड़ दिया. उनके निधन की खबर सुनते ही पूरे गांव में शोक की दूसरी लहर दौड़ गई. परिवार के सदस्य इस दोहरे दुख से पूरी तरह टूट गए.

ग्रामीणों का कहना है कि सुबह जिस घर से भगवान तिवारी की अंतिम यात्रा निकली थी, उसी घर से कुछ घंटों बाद उनकी पत्नी की भी अर्थी उठी. यह दृश्य देखकर गांव के लोग भावुक हो उठे.

दशकों तक निभाया जीवन का साथ

गांव के बुजुर्गों और पड़ोसियों ने बताया कि भगवान तिवारी और साची तिवारी ने दशकों तक साथ जीवन बिताया था. दोनों ने सुख-दुख, संघर्ष और खुशियों के हर पड़ाव को एक-दूसरे के साथ साझा किया था. ग्रामीणों के मुताबिक बढ़ती उम्र के बावजूद दोनों एक-दूसरे का सहारा बने हुए थे. गांव में लोग अक्सर उनके आपसी प्रेम और लगाव की मिसाल दिया करते थे.

लोगों का कहना है कि दोनों इतने गहरे भावनात्मक रूप से जुड़े हुए थे कि पति के जाने का सदमा साची तिवारी बर्दाश्त नहीं कर सकीं. यही वजह रही कि उन्होंने भी कुछ घंटों बाद दुनिया को अलविदा कह दिया.

गांव में पसरा मातम

एक ही दिन में पति-पत्नी के निधन से पूरे रेवली गांव में मातम का माहौल है. परिवार के लोग गहरे सदमे में हैं और गांव के लोग उन्हें ढांढस बंधाने में जुटे हुए हैं.

ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी घटनाएं बहुत कम देखने को मिलती हैं. यह घटना पति-पत्नी के बीच गहरे प्रेम, समर्पण और जीवनभर के साथ की अनूठी मिसाल बन गई है.

फिलहाल पूरे गांव में इस बुजुर्ग दंपति की चर्चा हो रही है और लोग उनकी यादों को भावुक होकर साझा कर रहे हैं.

अयोध्या राम मंदिर दान विवाद पर भाजपा नेता विनय कटियार का बड़ा बयान, बोले- 'दोषी हैं तो इनकी...'

(जीएनएस)।

अयोध्या में राम मंदिर दान राशि कथित गबन मामले को लेकर अब बीजेपी के वरिष्ठ नेता विनय कटियार का बड़ा बयान सामने आया है. उन्होंने मामले को बेहद गंभीर बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है. कटियार ने कहा कि यह कोई हल्का-फुल्का मामला नहीं है और राम मंदिर आंदोलन के लिए लोगों ने बलिदान दिया है.

राम मंदिर दान राशि कथित गबन मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी के वरिष्ठ नेता विनय कटियार ने कहा, "अगर किसी ने इस मामले में गड़बड़ी की है तो उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए. ये जितने भी हैं, सब चोर हैं, इनकी छुट्टी करो."

राम मंदिर आंदोलन से करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी हुई- कटियार

विनय कटियार ने आगे कहा कि राम मंदिर आंदोलन से करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है और इस आंदोलन के लिए कई लोगों ने बलिदान दिया है. उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने भी राम मंदिर के मुद्दे पर अपने पद से इस्तीफा दिया था. ऐसे में इस तरह के आरोप बेहद गंभीर हैं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए.

दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो- विनय कटियार

इसके साथ ही उन्होंने गोपाल जी का नाम लेते हुए कहा कि पता नहीं इसको किसने भेजा है. पता नहीं कहां से आया. ऐसे जितने भी है वो सब यहां से भागेंगे. कल से लेकर परसों तक सब या तो भाग जाएंगे या जेल के अंदर जाएंगे. उन्होंने साफ तौर से कहा कि दोषी कोई भी हो, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए.

विनय कटियार ने अखिलेश यादव के बयान पर किया था पलटवार

इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे से करोड़ों रुपए गायब होने का गंभीर आरोप लगाया था. इस पर बीजेपी के नेता और पूर्व सांसद विनय कटियार ने अखिलेश के आरोपों को खारिज किया था और उन पर हमला बोला था. कटियार ने कहा था कि अखिलेश यादव कभी-कभी समझदारी से बाहर हो जाते हैं और बिना पर्याप्त तथ्यों के बयान दे देते हैं. बिना किसी ठोस प्रमाण के भ्रष्टाचार या धन के दुरुपयोग के आरोप लगाना उचित नहीं है.

चीज कोई नहीं दूसरी चाहिए, बात जिसकी हुई थी वही चाहिए...

(जीएनएस)।

लखनऊ। पुरनिया चौराहा स्थित एक रेस्टोरेंट में रविवार को साहित्यिक संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री ने की। कवयित्री दिव्या शुक्ला ने मां सरस्वती की वंदना की। वरिष्ठ साहित्यकार कमल किशोर ने "आज के हालात पत्थर हो गए" कविता सुनाकर वाहवाही बटोरी। लोकेश त्रिपाठी ने चीज कोई नहीं दूसरी चाहिए, बात जिसकी हुई थी वही चाहिए कविता पढ़ी। हास्य कवि अंकुर पाठक ने अपनी रचनाओं से लोगों को हंसने पर मजबूर किया। योगेंद्र योगी, डॉ. सुधा मिश्रा, डॉ. सर्वेश त्रिपाठी, डॉ. मानसी द्विवेदी, आदर्श सिंह निखिल, सुशांत प्रमोद, पीयूष अग्निहोत्री आदि ने भी अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भाव-विभोर किया। कार्यक्रम का संचालन रवींद्र अजनबी ने किया। कवि सम्मेलन का आयोजन कुलदीप

कलश और संयोजन अंकुर पाठक ने किया। इस दौरान वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. मोहमद अली शाहिल, प्रो. चंद्र शेखर वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

यूपीः लखनऊ से नोएडा जाने वालों के लिए खुशखबरी, एक जुलाई से नियमित रूप से होंगी दो उड़ान; जानिए किराया

(जीएनएस)।

लखनऊ से नोएडा जाने वाले यात्रियों के लिए 15 जून को सीधी उड़ान सेवा का उद्घाटन होना है। यह सेवा पहली जुलाई से यात्रियों को नियमित रूप से मिलेगी। खास यह है कि इंडिगो नोएडा के लिए दो सीधी उड़ानें शुरू करेगा। इसमें एक सुबह व दूसरी रात में संचालित होगी। उड़ान करीब एक घंटे में यात्रा पूरी करेगी।

सोमवार को लखनऊ से नोएडा के लिए इंडिगो एयरलाइंस की विशेष विमान सेवा 6ई-2278 सुबह 7:05 बजे उड़ान भरकर सुबह 8:05 बजे नोएडा के जेवर एयरपोर्ट पहुंचेगी। वापसी में उड़ान संख्या 6ई-2279 जेवर एयरपोर्ट से शाम 6:55 बजे रवाना होगी और रात आठ बजे लखनऊ पहुंचेगी।

यह है नियमित उड़ानों का शेड्यूल

नोएडा से लखनऊ के लिए 6ई-7624 सुबह 5:50 बजे उड़ान भरकर सुबह सात बजे पहुंचेगी। वापसी में 6ई-7625 लखनऊ से सुबह 7:25 बजे उड़ान भरकर सवा घंटे बाद सुबह 8:40 बजे नोएडा पहुंच जाएगी। इसी क्रम में नोएडा से 6ई-7628 दोपहर 3:05 बजे उड़ान भरकर शाम सवा चार बजे लखनऊ पहुंचेगी। इसके बाद लखनऊ से 6ई-7629 रात 9:40 बजे उड़ान भरकर एक घंटे दस मिनट बाद रात 10:50 बजे नोएडा पहुंच जाएगी।

इतना चल रहा है किराया

नोएडा से लखनऊ के लिए सीधी उड़ान का किराया 3394 रुपये जबकि लखनऊ से नोएडा के लिए 4021 रुपये चल रहा है। लखनऊ से दिल्ली जाने वाले विमानों का किराया भी करीब इतना ही रहता है। ऐसे में यात्रियों को दिल्ली से नोएडा जाने की जहमत नहीं उठानी होगी।

बचेगा समय व खर्च

इंडिगो की यह विमान सेवा सातों दिन चलेगी। लखनऊ से नोएडा जाने वाले यात्रियों को अभी तक विमान से दिल्ली जाना पड़ता था। दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उन्हें मेट्रो या निजी साधनों से नोएडा पहुंचना पड़ता था, जिसमें 250-300 रुपये तक खर्च हो जाते थे। समय भी ज्यादा लगता था। नोएडा के लिए सीधी उड़ान ये यात्रियों के समय और पैसों की बचत होगी।

लखनऊ के कैंट इलाके में ट्रेन पलटाने की रची गई साजिश, ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकी गाड़ी

(जीएनएस)।

लखनऊ , राजधानी में एक बार फिर रेल यात्रियों की जान से खिलवाड़ करते हुए ट्रेन को डिरेल (पटरी से उतारने) करने की साजिश सामने आई है। इस बार कैंट के दिलकुशा ब्लॉक हट के पास शुक्रवार दोपहर पंजाब मेल के आने से पहले रेलवे ट्रैक पर 50 किलो वजनी लोहे का चौखट रख दिया गया। लोको पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगा दी। इसके बावजूद लोहे का चौखट इंजन में फंस गया।

इस मामले में कैंट थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। लखनऊ के वरिष्ठ खंड अभियंता (रेलपथ) राजकिशोर मिश्र के अनुसार, 13006 पंजाब मेल अमृतसर से हावड़ा जा रही थी। शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे ट्रेन जब कैंट के दिलकुशा ब्लॉक हट के पास पहुंची, तभी लोको पायलट ने ट्रैक पर लोहे का बड़ा चौखट पड़ा देखा।

उन्होंने बिना देरी किए इमरजेंसी ब्रेक लगा दी। इसके बावजूद इंजन ट्रैक पर रखे 50 किलो वजनी लोहे के चौखट से टकरा गया और वह इंजन के नीचे फंस गया। लोको पायलट ने तत्काल स्टेशन मास्टर को सूचना दी। रेलवे के अधिकारी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। चौखट को हटाकर आरपीएफ के सुपुर्द कर दिया।

इलाके के कैमरे खंगाल रही पुलिस

घटना के बाद राजकिशोर मिश्र की तहरीर पर कैंट थाने में रेलवे अधिनियम की धारा 151 (रेल संपत्ति को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने या नष्ट करने से संबंधित) और धारा 153 (रेल यात्रियों की सुरक्षा को जानबूझकर खतरे में डालने से संबंधित) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। एसओ कैंट गुरप्रीत कौर ने बताया कि पुलिस और सर्विलांस टीम घटनास्थल के आसपास जांच कर रही है। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

खुफिया एजेंसियां भी की गईं अलर्ट

कैंट पुलिस रेलवे ट्रैक पर मिले 50 किलो वजनी लोहे के चौखट को नशेड़ियों की हरकत मान रही है। हालांकि, घटना की सूचना खुफिया एजेंसियों को भी दे दी गई है। मामले के पीछे किसी बड़ी साजिश की आशंका को देखते हुए पुलिस और खुफिया विभाग की टीमें जांच में जुटी हैं।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

22 जून 2025 : मल्हौर स्टेशन के पास (पोल संख्या 1087/10-12) रेल ट्रैक के बीचों-बीच लोहे की होर्डिंग का एक बहुत बड़ा और भारी स्ट्रक्चर लाकर रख दिया गया था।

लखनऊ लूटकांड का खुलासाः CRPF दरोगा 20 दिन की छुट्टी लेकर फरार, चौकी इंचार्ज सस्पेंड

(जीएनएस)।

लखनऊ , चिनहट क्षेत्र में निवेश के नाम पर हुई लूट के मामले में फरार चल रहे सीआरपीएफ के दारोगा जय प्रकाश सिंह पर अन्य जगहों पर धोखाधड़ी समेत अन्य आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनकी जानकारी पुलिस जुटा रही है।

यही नहीं मामला तूल पकड़ने जय प्रकाश पर 20 दिन की छुट्टी लेकर फरार हो गया। दूसरी ओर मामले में लापरवाही और संदिग्ध भूमिका को लेकर कमता चौकी इंचार्ज मोहित कुमार को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लूटकांड का खुलासा होने के बाद चिनहट पुलिस ने जय प्रकाश सिंह का आपराधिक रिकार्ड खंगालना शुरू किया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि उसके खिलाफ फ्राड समेत अन्य मामलों के मुकदमे दर्ज हैं।

अब पुलिस संबंधित जिलों और थानों से पत्राचार कर मुकदमे का पूरा ब्योरा जुटा रही है, ताकि उसका विस्तृत आपराधिक इतिहास तैयार किया जा सके। जांच में यह भी सामने आया है कि 11 जून को मामला तूल पकड़ने के बाद जय प्रकाश सिंह 13 जून को अपने कैंप पहुंचा और वहां से 20 दिन की छुट्टी लेकर चला गया। फिलहाल वह कहां है, इसकी स्पष्ट जानकारी किसी के पास नहीं है।

पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि छुट्टी के दौरान उसने किन-किन स्थानों की यात्रा की और उसके विभाग ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू की है या नहीं। इसके लिए संबंधित विभाग से संपर्क किया जा रहा है। उधर, मामले में कमता चौकी इंचार्ज मोहित कुमार के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा ने उच्चाधिकारियों को भेजी थी।

रिपोर्ट के आधार पर डीसीपी पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा ने रविवार देर शाम मोहित कुमार को निलंबित कर दिया। साथ ही पूरे प्रकरण की विभागीय जांच एसीपी गोमतीनगर को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कई पुलिसकर्मियों से उधार ले चुका था पूरन सिंह

जांच के दौरान एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार सिपाही पूरन सिंह ने बड़ी संख्या में लोगों से उधार ले रखा था, जिनमें करीब 80 प्रतिशत पुलिसकर्मी शामिल बताए जा रहे हैं। किसी से उसने 50 हजार रुपये तो किसी से एक लाख रुपये तक उधार लिया था। बताया जा रहा है कि वह यह रकम कहीं निवेश करता था। कुछ लोगों ने उसके सट्टेबाजी में शामिल होने की भी चर्चा की है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

काल्पनिक नाम से शामिल हुआ था बर्खास्त पीएसी सिपाही

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि लूटकांड में पीएसी का एक बर्खास्त सिपाही भी शामिल था। उसकी तैनाती किस बटालियन में रही और किन कारणों से उसे सेवा से बर्खास्त किया गया, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

पूछताछ में पूरन सिंह ने बताया कि उक्त व्यक्ति ने अपनी पहचान छिपाने के लिए 'विनय' नाम का इस्तेमाल किया था, ताकि पकड़े जाने पर उसकी असली पहचान सामने न आ सके। पुलिस अब उसकी वास्तविक पहचान और आपराधिक गतिविधियों का ब्योरा जुटाने में लगी है।

केजीएमयू में टंकी की सफाई के दौरान युवक की मौत, बिना सुरक्षा किट उतारा था टंकी में

(जीएनएस)।

लखनऊ के केजीएमयू में टंकी की सफाई करने उतरे युवक की करंट लगने से मौत हो गई। इस पर साथी कर्मचारियों व परिजनों ने जमकर हंगामा किया। केजीएमयू में सफाई कर्मचारी राहुल सफाई करने के लिए टंकी में उतरा था। इसी दौरान करंट लगने से उसकी मौत हो गई।

साथी कर्मचारियों ने कहा कि उसे बिना सुरक्षा टंकी में सफाई के लिए उतार दिया गया था। घटना से आक्रोशित परिजनों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस ने किसी तरह कर्मचारियों को शांत करवाया।

बुखार पीड़ित युवक की मौत

(जीएनएस)।

सीतापुर मास्टरबाग। सीता रसोई निवासी तोसीब (17) को एक सप्ताह से बुखार आ रहा था। शुक्रवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता निजामुद्दीन ने बताया कि तोसीब गांव में अरुण के यहां करीब आठ साल से कंपाउंडर का काम देख रहा था। वहीं पर बुखार आने पर दवाई खा लेता था। घर में किसी को इस बात की भनक तक नहीं थी। शुक्रवार को अचानक बुखार से काफी तबीयत बिगड़ी और लखनऊ ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया।

रंजिश में पीटा, एससी एसटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज

(जीएनएस)।

सीतापुर, अटरिया के अहेवा गांव निवासी मनीराम ने गांव के ही तीन लोगों पर रंजिश में पीटने का आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने एससी एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

पीड़ित के अनुसार वह अनुसूचित जाति का है। बताया कि उनके घर के सामने वाले घर में रह रहे त्रिभुवन यादव की उनके परिवार वालो से पुरानी रंजिश रही है। इसी रंजिश को लेकर 8 जून को त्रिभुवन यादव, रघुराज यादव और सुशान्त यादव हंसिया व लाठी डंडा लेकर उनके दरवाजे पर आए और अपशब्द कहे। साथ ही जातिसूचक टिप्पणी की। विरोध पर सभी लोगों ने पीट दिया।

इसके बाद खड़ंजे पर पटक दिया। त्रिभुवन ने पीड़ित की जांघ पर हंसिया मार दी।

आरोप है कि जब उनकी पत्नी ने शोर मचाया तो उनके भी बाजू पर हंसिया मारकर घायल कर दिया।किसी तरीके से गांव के मयाराम रावत व उनकी पत्नी ने बीच बचाव करके उनकी व उनकी पत्नी रोहिनी की जान बचाई। जाते समय सभी लोगो ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस जांच कर रही है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

भारत की दीर्घकालिक भविष्य के लिए तैयारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस की यात्रा पर हैं जहां उन्होंने रविवार को 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने उच्च तकनीक, रक्षा और नवाचार जैसे कई अहम क्षेत्रों में अपने सरकार द्वारा किए गए सुधारों का उल्लेख किया और बल देकर कहा कि भारत की सुधार एक्सप्रेस रुकेगी नहीं बल्कि चलती रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत एक दीर्घकालिक भविष्य के लिए कर रहा है और यह नवाचार दुनिया के लिए कर रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री का यह कहना कि इस कार्यक्रम में भारत, फ्रांस और अन्य देशों के शीर्ष नवाचार स्टार्टअप और वेंचर वैपिटल पंड को साथ लाना है।

दरअसल भारत के मित्र राष्ट्रों में रूस तो सबसे आगे है ही किन्तु नाटो संगठन का सदस्य होते हुए भी फ्रांस ने जिस तरह मित्रता निभाया है, वह भी कम उल्लेखनीय नहीं है। रूस तो भारत के साथ सापेक्षता के संदर्भ में रहा है क्योंकि अमेरिका ने पाकिस्तान को समर्थन दिया तो भारत के लिए आवश्यक हो गया कि वह रूस के साथ रक्षा समझौते करे और उससे युद्धक सैन्य सामग्री खरीदे लेकिन फ्रांस ने भारत के साथ शुरू से ही सहयोग किया है। 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के पहले जहां अमेरिका वूटनीतिक एवं सामरिक देकर पाकिस्तान को पीड़ित साबित करके समूचे यूरोप में भारत के खिलाफ माहौल बना रहा था, उस समय भी फ्रांस ने भारत को आश्वासन दिया था कि वह किसी भी हालत में भारत के खिलाफ न तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में खड़ा होगा और किसी भी हालत में भारत के खिलाफ सैन्य मदद भी पाकिस्तान को नहीं करेगा। फ्रांस ने अपना वादा निभाया और उसने पाकिस्तान के पक्ष में अमेरिका द्वारा लाए गए सुरक्षा परिषद के किसी प्रस्ताव का समर्थन किया ही नहीं। फिर 1980 में जब अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ-16 दिया तो भारतीय वायु सेना और सरकार ने फ्रांस से मिराज-2000 खरीदने का फैसला किया। फ्रांस ने तत्काल भारत को मिराज-2000 युद्धक विमान उपलब्ध कराने की सहमति व्यक्त की। जिस वक्त फ्रांस ने भारत के साथ खड़ा होने का फैसला लिया था, वह शीत युद्ध काल था। यूरोप के ज्यादातर देश अमेरिका के साथ खड़े थे और तत्कालीन सोवियत संघ को अपना घोषित शत्रु मानते थे। भारत अपनी रणनीतिक विवशताओं के कारण सोवियत संघ के साथ था इसलिए अमेरिका के साथी देश भारत के पक्ष में दिखने से डरते थे। लेकिन फ्रांस ने भारत के साथ हमेशा मैत्री संबंधों को महत्व दिया और मित्र धर्म के मार्ग पर अडिग रहा। आज फ्रांस पहले से ज्यादा भारत के साथ सहयोग कर रहा है। भारत में जो भी रक्षा उपकरण या युद्धक विमान बनाने का समझौता कर रहा है, उसको भारत के शत्रु देश को नहीं दे रहा है।

एक सच्चे मित्र की यही पहचान होती है। इस कसौटी पर रूस पहले ही खरा उतर चुका है। रूस चीन और पाकिस्तान को वह विमान या युद्धक उपकरण देता ही नहीं जिससे भारत को चुनौती मिलने की आशंका हो।

यही काम अब फ्रांस ने शुरू कर दिया। इसलिए क्योंकि फ्रांस की मैत्री भारत के साथ मजबूत विश्वसनीयता की नींव पर खड़ी है।

भारत ने अमेरिका से व्यापारिक संबंधों में चुनौती मिलने के बाद यूरोपियन यूनियन और कई यूरोपीय देशों से द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों की नई शुरूआत की। इनमें मुक्त व्यापार समझौता यानि एफटीए प्रमुखता से शामिल है। प्रधानमंत्री ने इसीलिए फ्रांस के साथ दुनिया के दूसरे देशों के साथ नवाचार स्टार्टअप की बात की।

बहरहाल भारत ने अब अपने विकास के सारे विकल्पों एवं संभावनाओं को इतना विस्तारित कर लिया है कि अब किसी भी हालत में सुधार प्रक्रिया को स्थगित करना संभव नहीं है। उम्मीद की जानी चाहिए कि खुले बाजार और आर्थिक सुधार की प्रक्रिया को वैश्विक मानदण्डों के अनुरूप तेजी से आगे बढ़ाने का प्रयास मोदी सरकार जारी रखेगी। जरूरत इस बात की है कि इसकी गति ऐसी न हो कि उपभोक्ता किसी भी दृष्टि से असुविधा महसूस न करें। सुधार हो किन्तु उसके केन्द्र में उपभोक्ता का हित अनिवार्य हो। विकास हो किन्तु उपभोक्ता केन्द्रित हो।

मोबाइल स्क्रीन ने हमारे बीच दूरियां बढ़ा दी- कुंवर मानवेंद्र सिंह

इतिहासकारों ने क्षत्रियों के साथ बहुत अन्याय किया - जेपीएस राठौर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश क्षत्रिय लोक सेवक परिवार महासमिति के तत्वाधान में गोमती नगर स्थित एसकेडी अकादमी के सभागार में "हल्दीघाटी दिवेरघाटी, विजयोत्सव सामाजिक सरोकार एवं सम्मान समारोह" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद

सभापति विधान परिषद उत्तर प्रदेश कुंवर मानवेंद्र सिंह एवं राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार जेपीएस राठौर ने विभिन्न क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित करने वाले प्रादेशिक, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र का सम्मान बढ़ाने वाले क्षत्रिय परिवार के 36 विभूतियों को सम्मानित किया। इसके साथ ही इंटरमीडिएट व हाई स्कूल की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले 112 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रतिभा सम्मान देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए सभापति विधान परिषद उत्तर प्रदेश कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि समाज तब तक विजयी या सशक्त नहीं हो सकता, जब तक समाज का हर वर्ग एक-दूसरे का हाथ थामकर खड़ा न हो। आज के इस आधुनिक और तकनीकी युग में जहाँ मोबाइल स्क्रीन ने हमारे बीच दूरियां बढ़ा दी हैं, हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा। शिक्षा का उजियारा फैलाना, समाज के वंचितों की मदद करना, पर्यावरण की रक्षा करना और युवाओं को सही मार्गदर्शन देना ही आज के समय की सच्ची राष्ट्र सेवा है।"

उन्होंने कहा कि आज इस मंच से जिन महानुभावों को समाज सेवा और उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है, मैं उन सभी विभूतियों को हृदय से बधाई देता हूँ। आपका यह सम्मान केवल आपका आदर नहीं है, बल्कि हमारी नई पीढ़ी के लिए एक प्रकाश स्तंभ (लाइट हाउस) है, जो उन्हें समाज के कल्याण मार्ग पर चलने की प्रेरणा देगा।

सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश क्षत्रिय लोक सेवक परिवार महासमिति को इस बात के लिए साधुवाद देता हूँ कि उन्होंने इतिहास के गौरव, वर्तमान की आवश्यकता और भविष्य की सकारात्मक दिशा को एक मंच पर ला खड़ा किया है। समारोह को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने कहा कि क्षत्रिय सर्व समाज के लिये काम करता आया है लेकिन फिल्मों ने क्षत्रिय समाज की छवि को लगातार खराब करने का काम किया है। मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि उत्तर प्रदेश क्षत्रिय लोक सेवक परिवार महासमित के प्रदेश अध्यक्ष बाबा हरदेव सिंह जो बीड़ा उठाते हैं उसे पूरा करते हुए अंत तक ले आते हैं। इस मौके पर मंत्री जीपीएस राठौर ने भारतीय इतिहासकारों पर भी जम कर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इतिहासकारों ने क्षत्रियों के साथ बहुत अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि इतिहासकारो ने महाराणा प्रताप की जगह अकबर को महान बताया। महाराणा प्रताप ने भीलो और वंचित समाज को लेकर युद्ध किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ही थे जो सर्व समाज को लेकर चलते थे। इस मौके पर मौजूद पद्मश्री विद्या बिंदु सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से हमें धर्म और कर्तव्य का बोध होता है। समझ में उपस्थित पूर्व अध्यक्ष बाल अधिकार संरक्षण आयोग जूही सिंह ने कहा कि आज का छात्र कल का भविष्य है, उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को सम्मानित करना गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि हम सभी को एक जुट होकर राष्ट्र को मजबूत करना है। इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष मुकेश सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए इंडोआमेरिकन चैम्बर के यूपी अध्यक्ष मुकेश सिंह ने कहा की क्षत्रिय समाज के बच्चे इंजीनियरिंग मैनेजमेंट या और कोर्स करने प्राइवेट इंडस्ट्री में अपना भविष्य देखते है या स्टार्ट अप लघु उद्योग स्थापित करना चाहते है इंडस्ट्री चैंबर्स से जुड़े होने के उन्हें यथा सहायता की जाएगी ।

समारोह को महासमिति के अध्यक्ष, बाबा हरदेव सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि क्षत्रिय समाज को विषम परिस्थितियों से उबारने के लिए बहुत बड़े प्रयास की जरुरत है। ऐसी दशा में इस संगठन की जिम्मेदारी है कि वह युवाओं में आगे बढ़ने की इच्छा जाग्रत करे और उन्हें हर स्तर पर मजबूत बनाने का प्रयास करे।

महासमिति की महासचिव, इन्द्रासन सिंह 'इन्दु' ने महासमिति की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि महासमिति स्थापना के 17 वर्ष पूर्ण करके 18वें वर्ष में प्रवेश कर रही है सभी का समर्पित प्रयास और समर्थन मिलता रहा तो यह महासमिति अपनी 25वीं वर्षगांठ तक विशाल वटवृक्ष का रूप ले लेगी और इसके छांव के नीचे अपनी समस्याओं का समाधान कर समाज को नई दिशा देने में सक्षम होंगे। महासमिति अनवरत समाज के हर वर्ग के जरूरतमन्द लोगों और बेरोजगार युवक युवतियों को उचित मार्ग दर्शन देकर उन्हें आर्थिक दृष्टि से सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

समारोह में 500 से अधिक सेवारत एवं सेवा निवृत्त लोक सेवक एवं उनके परिवारीजन उपस्थित रहे। प्रमुख पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण सर्व श्री श्री प्रकाश सिंह धनन्जय सिंह, कोषाध्यक्ष, के. के. सिंह, डा.डी..पी. सिंह, कुँवर प्रदीप सिंह, अजय कुमार गौतम, नायक सिंह, शिवशरन सिंह, डा.देव राज सिंह, डा. अनुपमा सिंह, डा० उर्मिला सिंह, डा. दिव्या सिंह, इ.जी.एन.सिंह, इ. एस.आर. सिंह परिहार, इं.एस.एन.सिंह, श्रीमती रीता सिंह, सिखा सिंह, अनीता सिंह, डा.श्री मुसाफिर सिंह, श्रीमती माधुरी सिंह आराधना सिंह, बन्दना सिंह रमेन्द सिंह विसेन, विजय कुमार सिंह जतेन्द्र सिंह नेगी, अजीत कुमार सिंह, नगेन्द्र सिंह, हरमनाम सिंह, इं. गोविन्द नारायण सिंह जयकरन सिंह आर.पी.सिंह, सिद्धार्थ सिंह अमित सिंह, अध्यक्ष, फिरोजाबाद, राम नायक सिंह अनिल कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, सुनील सिंह,

विशेष रूप से उपस्थित रहे।

ओरी ने ध्रुव राठी को कहा 'एंटी नेशनल', बोले- मेरी फोटो फालतू में लगाई, बताया पीएम मोदी के साथ क्या है सपना!

(जीएनएस)।

इंटरनेट पर बेहद फेमस ओरी ने हाल ही में ध्रुव राठी को लेकर बात की है और उन्हें देश विरोधी कहा है। ओरी ने इसके पीछे का कारण भी बताया। साथ ही, उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनका क्या सपना है।

सोशल मीडिया पर्सनैलिटी ओरी ने एक बार फिर यूट्यूबर ध्रुव राठी की आलोचना की है। इस बार उन्होंने ध्रुव राठी को देश-विरोधी कहा और बोले, 'मुझे यह आदमी बिल्कुल पसंद नहीं है।' एक पॉडकास्ट पर बात करते हुए, ओरी ने ध्रुव राठी के विषयों के चुनाव पर सवाल उठाए और कहा कि वह मुद्दों को तभी उठाते हैं जब वे उनके नैरेटिव (सोच) के हिसाब से हों। साथ ही, ओरी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी एक ख्वाहिश भी बताई।

ये कमेंट्स दोनों के बीच पहले हुई सार्वजनिक बहस का ही एक हिस्सा हैं। इससे पहले, दिसंबर 2025 में ध्रुव राठी के वीडियो 'द फेक ब्यूटी ऑफ बॉलीवुड सेलिब्रिटीज' के बाद ओरी ने अपनी दोस्त जाह्नवी कपूर का बचाव किया था। उस वीडियो में कई एक्टर्स का जिक्र था और थंबनेल में जाह्नवी की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया था।

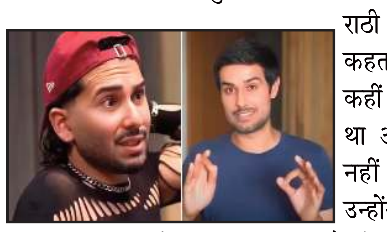

ओरी को बिल्कुल पसंद नहीं ध्रुव राठी

'KK Creates' पॉडकास्ट के दौरान, ओरी ने कहा कि ध्रुव उन्हीं विषयों पर अपनी सुविधा के हिसाब से बात करते हैं जो उनकी कहानी या नैरेटिव में फिट बैठते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि वह अपनी सुविधा के अनुसार ही विषयों पर बात करते हैं, जब वे उनकी कहानी में फिट बैठते हैं। मुझे ठीक से नहीं पता कि उनके विषय क्या हैं क्योंकि मैं हर चीज को फॉलो नहीं करता, लेकिन वह कभी-कभी अजीब बातें कहते हैं जिनका कोई मतलब नहीं होता, और जब उन्हें किसी विषय पर बात करनी चाहिए, तो वह उस पर बात ही नहीं करते। मुझे बस वह आदमी पसंद नहीं है।'

ओरी ने ध्रुव राठी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले अपने निकनेम का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा, 'मैं ध्रुव राठी को 'ध्रुव ट***' कहता हूं। मैंने यह कहीं ऑनलाइन देखा था और मैं इसे छोड़ नहीं पा रहा हूं।' उन्होंने आगे कहा कि उनका सपना है पीएम मोदी के साथ अपने फेमस पोज में फोटो क्लिक करना। वो इसे कभी तो करेंगे।

ध्रुव राठी ने बॉलीवुड सेलेब्स को घेरा

इससे पहले, ध्रुव राठी द्वारा दिसंबर 2025 में 'बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की नकली सुंदरता' टाइटल से एक वीडियो जारी किए जाने के बाद, ओरी ने जाह्नवी कपूर का सपोर्ट किया था।

जान्हवी कपूर से लेकर काजोल पर भी सवाल

इस वीडियो में कई ऐसी एक्ट्रेसेस के बारे में बात की गई, जिन्होंने कथित तौर पर कॉस्मेटिक सर्जरी या ट्रीटमेंट करवाए थे। इनमें जाह्नवी कपूर, प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और काजोल के नाम शामिल थे। थंबनेल में जाह्नवी की तस्वीर का भी इस्तेमाल किया गया था, जिसने लोगों का ध्यान खींचा।

उस समय, ओरी ने इंस्टाग्राम पर इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। एक वायरल रील में दावा किया गया था कि ध्रुव राठी ने यह वीडियो तब अपलोड किया, जब जाह्नवी ने बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास मामले पर बात की थी। रील में कहा गया था कि वीडियो अपलोड करने का समय सही नहीं था।

ओरी ने ध्रुव को कहा था 'राष्ट्र-विरोधी'

इस चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए ओरी ने लिखा, 'शायद वह यह भी नहीं जानतीं कि वह कौन है। मैं खुद उसे बस एक ऐसे 'राष्ट्र-विरोधी' के तौर पर जानता हूं जो शिकायत करता है कि इतने फॉलोअर्स होने के बावजूद रेलवे स्टेशन पर उसकी तस्वीरें नहीं खींची गई।'

वॉलीबॉल में कमिश्नरेट लखनऊ की टीम रही प्रथम, शील्ड पर जमाया कब्जा

(जीएनएस)।

सुल्तानपुर। पुलिस लाइन में तीन दिवसीय 27वीं अंतर जिलास्तरीय लखनऊ जोन वॉलीबॉल और सेपक टकरा प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। आयोजन सचिव पुलिस अधीक्षक चारू निगम की अगुआई में तीन दिवसीय जोनल खेलकूद प्रतियोगिता की मेजबानी सुल्तानपुर पुलिस ने की। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला जज सुनील कुमार रहे।

प्रतियोगिता में लखनऊ जोन की कुल नौ टीमों के कुल 115 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के वॉलीबॉल टीम में कमिश्नरेट लखनऊ ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर शील्ड अपने नाम की। लखीमपुर खीरी की टीम द्वितीय स्थान प्राप्त कर उप विजेता बनीं। अयोध्या ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सेपक टकरा प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में कमिश्नरेट लखनऊ ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर शील्ड अपने नाम कर लिया। सीतापुर की टीम द्वितीय स्थान प्राप्त कर उपविजेता रही। प्रतियोगिता में सुल्तानपुर की टीम तीसरे स्थान पर रही।

इसी प्रकार सेपक टकरा प्रतियोगिता के महिला वर्ग में कमिश्नरेट लखनऊ ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर शील्ड जीती। सुल्तानपुर द्वितीय स्थान प्राप्त कर उप विजेता रही तथा बाराबंकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पूरे प्रतियोगिता में वॉलीबॉल में सर्वोत्तम खिलाड़ी आरक्षी शक्ति यादव कमिश्नरेट लखनऊ, तथा सेपक टकरा (पुरुष वर्ग) में मुख्य आरक्षी आदित्य नेगी कमिश्नरेट लखनऊ व सेपक टकरा (महिला वर्ग) में सर्वोत्तम खिलाड़ी मुख्य आरक्षी रिंकी पटेल कमिश्नरेट लखनऊ रहीं है। इसके पहले जिला जज का पुलिस अधीक्षक ने स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया।

आयुष मंत्रालय ने यूट्यूब पर सीधे योग प्रसारण के सबसे अधिक दर्शकों का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले वैश्विक ऑनलाइन योग कार्यक्रम में 435,831 सत्यापित दर्शक शामिल हुए

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त करते हुए आज यूट्यूब पर सीधे योग प्रसारण के सबसे अधिक दर्शकों का नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। 4,35,831 दर्शक आयुष मंत्रालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल के माध्यम से सीधे प्रसारण किए गए एक विशेष वैश्विक ऑनलाइन योग सत्र में शामिल हुए।

यह रिकॉर्ड बनाने का प्रयास अंतर्राष्ट्रीय योग वर्ष 2026 के लिए मंत्रालय के प्रचार कार्यक्रमों के अंतर्गत आयोजित किया गया था और इसमें भारत और विश्व भर के योग अभ्यासकताओं, छात्रों, संस्थानों, पेशेवरों और स्वास्थ्य के प्रति उत्साही लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) और योग 365 अभियान के माध्यम से योग को दैनिक अभ्यास के रूप में बढ़ावा देने के मंत्रालय के दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया गया।

आयुष मंत्रालय ने 4,35,831 सत्यापित दर्शक दर्ज किए, जो 2024 में स्थापित 2,46,252 दर्शकों के पिछले गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड से अधिक है। इस नए रिकॉर्ड में पिछले रिकॉर्ड की तुलना में 1,89,579 दर्शक अधिक थे। इस प्रकार इसने यूट्यूब सीधे योग

प्रसारण के सबसे अधिक दर्शकों का एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए इस ऐतिहासिक उपलब्धि में योगदान देने वाले विश्वभर के नागरिकों को बधाई दी और कहा, "आज की यह उपलब्धि स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति साझा प्रतिबद्धता के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों और देशों के लोगों को जोड़ने की योग की असाधारण शक्ति को दशार्ती है। यह नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड जीवन शैली के रूप में योग की बढ़ती वैश्विक स्वीकृति को दशार्ता है और योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के हमारे सामूहिक संकल्प को मजबूत करता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले मैं सभी से 'योग 365' की भावना को अपनाने और एक स्वस्थ, मजबूत और अधिक लचीले समाज के निर्माण में योगदान देने का आग्रह करता हूं।"

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि में योगदान देने वाले सभी हितधारकों और प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा, "यह उपलब्धि केवल एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने तक सीमित नहीं है; यह उस संदेश के बारे में है जो हम विश्व को दे रहे हैं। भारी संख्या में भागीदारी स्वास्थ्य और कल्याण के एक शक्तिशाली साधन के रूप में योग की बढ़ती मान्यता को दशार्ती है। हमारा उद्देश्य लोगों को योग को एक दिवसीय आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि जीवन भर के अभ्यास के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना और 'योग 365' को साकार करना है।"

इस कार्यक्रम के दौरान ओडिशा के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग; केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित माननीय मंत्रियों के विशेष संदेश प्रसारित किए गए। उन्होंने ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रतिभागियों को बधाई देते हुए निवारक स्वास्थ्य देखभाल और समग्र कल्याण के साधन के रूप में योग के महत्व पर जोर दिया और नागरिकों से योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करके 365 योग की भावना को अपनाने का आह्वान किया।

यह कार्यक्रम आयुष मंत्रालय द्वारा मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान और अन्य सहयोगी संगठनों के सहयोग से आयोजित किया गया था। भारत और विश्व भर से प्रतिभागियों ने आयुष मंत्रालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल के माध्यम से सीधे सत्र में भाग लिया और हैबिल्ड टीम द्वारा पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रदान किए गए विशेषज्ञ मार्गदर्शन में सामूहिक रूप से कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का अभ्यास किया।

यह उपलब्धि ऐसे समय में प्राप्त हुई है जब भारत " स्वस्थ आयु के लिए योग" विषय के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 मनाने की तैयारी कर रहा है। यह विषय स्वस्थ दीघार्यु को बढ़ावा देने, जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने और सभी आयु वर्ग के लोगों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण में योग की भूमिका को दशार्ता है।

श्री जीतन राम मांझी और सम्राट चौधरी संयुक्त रूप से प्रौद्योगिकी केंद्र, खिजरसराय, गया की नींव रखेंगे

(जीएनएस)।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री जीतन राम मांझी और बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी 15 जून, 2026 को बिहार के गया जिले के खिजरसराय में बनने वाले प्रौद्योगिकी केंद्र की नींव रखेंगे। इस समारोह का शुभारंभ पारंपरिक भूमि पूजन से होगा। इस समारोह में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय और बिहार सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

प्रौद्योगिकी केंद्रः आत्मनिर्भर भारत के स्तंभ

एमएसएमई मंत्रालय अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने और एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए देश भर में प्रौद्योगिकी केंद्रों और विस्तार केंद्रों का एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क का संचालन कर रहा है। वर्षों से, इन केंद्रों ने स्वदेशी क्षमताओं के विकास और आत्मनिर्भर भारत पहल को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये केंद्र एमएसएमई को बढ़ावा देने के अलावा भारत सरकार के आत्मनिर्भर, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण तंत्र के दृष्टिकोण के अनुरूप तकनीकी आत्मनिर्भरता और सतत औद्योगिक विकास के राष्ट्रीय लक्ष्यों को आगे बढ़ाते हैं।

गया प्रौद्योगिकी केंद्र की प्रमुख विशेषताएं

गया के खिजरसराय में 170

करोड़ रुपये की कुल लागत से प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापना की जाएगी। इस लागत में सिविल निर्माण कार्यों के लिए लगभग 86 करोड़ रुपये और संयंत्र और मशीनरी के लिए 84 करोड़ रुपये शामिल हैं।

यह केंद्र राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई 20 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा। इसका निर्मित क्षेत्र लगभग 16,800 वर्ग मीटर होगा और इसमें एक उत्पादन ब्लॉक, प्रशिक्षण ब्लॉक, यूटिलिटी ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक, बहुउद्देशीय हॉल, छात्रावास और स्टाफ के लिए आवास होंगे।

यह केंद्र सामान्य अभियांत्रिकी, भारी अभियांत्रिकी और वस्त्र परीक्षण के प्रमुख क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेगा ताकि इस क्षेत्र में एमएसएमई/उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

यह केंद्र गयाजी, औरंगाबाद, नवादा, नालंदा, जहानाबाद और मुंगेर जिलों में एमएसएमई के लिए कार्य करेगा, उन्हें उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों, उद्योग के लिए तैयार कार्यबल और आवश्यक तकनीकी और व्यावसायिक सलाहकार सेवाएं प्रदान करेगा ताकि वे विस्तार, नवाचार और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो सके ।

उत्पादनः मोल्ड, डाई, जिग्स और फिक्स्चर के लिए टूल रूम सुविधाएं; सीएनसी मशीनिंग सेवाएं; कैड/कैम/सीएई सुविधाएं; रैपिड प्रोटोटाइपिंग; इंडस्ट्री 4.0 लैब; और नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां/समाधान।

लखनऊ की आईटी और एआई सिटी सहित छह शहरों में भू-खंडों की होगी ई-नीलामी, 29 जून तक करें रजिस्ट्रेशन

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आवास विकास एवं विकास परिषद की आईटी व एआई सिटी योजना में भूखंड खरीदने के लिए सोमवार से पंजीकरण शुरू हो रहा है, जो 29 जून तक चलेगा। जमीन लेने वालों को कमर्शियल प्लाट पर आवासीय दर से भी कम भुगतान करना होगा।

आईटी सिटी योजना में आवासीय जमीन का रेट 38 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर था, जो डेढ़ गुना पर यह 58 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर हो रहा था, उसे कम किया जा चुका है। इतना नहीं लखनऊ के अलावा, मेरठ, आगरा, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर व कानपुर में भी भूखंडों की ई-नीलामी कराई जा रही है।

उत्तर प्रदेश आवास विकास एवं विकास परिषद की वृंदावन योजना के सेक्टर 15 में आईटी व एआई सिटी योजना प्रस्तावित है। इस महत्वाकांक्षी योजना को 256 एकड़ में आकार लेना है। यह योजना आईटी व एआई कंपनियों के लिए शुरू की गई है, ताकि यहां हब बन सके।

परिषद ने पिछले वर्ष पंजीकरण खोला था लेकिन, आवेदनों की संख्या दहाई में भी नहीं पहुंच सकी थी। समीक्षा में सामने आया कि योजना के भूखंडों का दाम अधिक है इसलिए लोग आवेदन नहीं कर रहे। ऐसे में परिषद ने 274वीं बोर्ड बैठक में इस योजना के भूखंडों का दाम कम करने का प्रस्ताव रखा उस पर 27 दिसंबर 2025 को मुहर लग चुकी है।

परिषद आईटी व एआई सिटी के साथ ही विभिन्न योजनाओं में आवासीय, शैक्षणिक व अन्य अनावासीय भूखंडों की बिक्री के लिए इन दिनों आनलाइन पंजीकरण करा रहा। इच्छुक लोग सोमवार से 29 जून तक आवेदन कर सकते हैं। 30 जून को ई-आक्शन कराया जाएगा।

उप आवास आयुक्त लखनऊ जोन चंदन कुमार पटेल ने बताया कि आईटी सिटी योजना के भूखंडों के दाम में संशोधन किया जा चुका है। 10 एकड़ तक क्षेत्रफल के आईटी भूखंडों की आरक्षित दर आवासीय दर के बराबर रखी गई है।

वहीं, 10 एकड़ से अधिक के क्षेत्रफल के भूखंडों की बिक्री होने पर परिषद की ओर से कराया जाना वाला आंतरिक विकास का खर्च कम होगा, साथ ही बड़ी आईटी कंपनियों के आने पर आसपास के क्षेत्रों में विकास को गति मिलेगी।

उन्होंने बताया, जिन संपत्तियों की ई-नीलामी में एकल बोली लगेगी, उन संपत्तियों के लिए दो से 21 जुलाई तक नए आवेदकों को अवसर दिया जाएगा। 22 जुलाई को ई-नीलामी होगी।

आज होगा भोजपुर में इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क की आधारशिला रखेंगे तथा पटना में एनएफडीबी क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 15 जून 2026 को भोजपुर में इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क की आधारशिला रखेंगे तथा पटना में एनएफडीबी क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन करेंगे

(जीएनएस)।

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह और बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी 15 जून 2026 को भोजपुर में 31.21 करोड़ रुपये के कुल निवेश वाले इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क की आधारशिला रखेंगे तथा पटना में एनएफडीबी क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन भी करेंगे।

इन पहलों का उद्देश्य आधुनिक प्रौद्योगिकियों, वैज्ञानिक संसाधन प्रबंधन, रोजगार सृजन एवं मूल्य संवर्धन के माध्यम से बिहार के अंतदेर्शीय मत्स्य पालन पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करना है। साथ ही, ये पहल मत्स्य क्षेत्र को प्रौद्योगिकी-संचालित, गुणवत्ता-केंद्रित एवं नियातीन्मुखी क्षेत्र बनाने की दिशा में सहयोग प्रदान करेंगें।

बिहार में पानी का विशाल संसाधन मौजूद हैं, जिनमें 1.22 लाख हेक्टेयर में फैले तालाब और पोखर, 0.64 लाख हेक्टेयर के जलाशय, 9.5 लाख हेक्टेयर की बाढ़-मैदान वाली झीलें और बेकार पड़े हुए जल-क्षेत्र और 21,354 किलोमीटर से ज्यादा लंबी नदियां एवं नहरें शामिल हैं। यहां उत्पादन होने वाली मुख्य मछलियों में कतला, रोहू, मृगल, ग्रास कार्प, कॉमन कार्प, सिल्वर कार्प, पाबदा, तिलापिया, पैंगैसियस, मांगुर, स्कैम्पी और सजावटी मछलियां शामिल हैं। इन समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के कारण बिहार के लिए अंतदेर्शीय मत्स्य पालन के क्षेत्र में एक अग्रणी केंद्र बनने की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं।

भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में बिहार के लिए 902.84 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है, जिसमें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 579.72 करोड़ रुपये शामिल हैं। इन निवेशों से मजबूत अवसंचरना प्राप्त हुआ है, जिसमें ब्रूड बैंक, हैचरी, आरएएस और बायोफ्लॉक इकाई, मत्स्य आहार संयंत्र, कोल्ड-चेन, ट्रांसपोर्ट की सुविधाएं और जलीय रेफरल प्रयोगशालाएं शामिल हैं।

लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे पर डीएम ने जांची सुविधाएं

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे का जिलाधिकारी विशाख जी ने निरीक्षण किया।उन्होंने सफर कर यात्री सुविधाओं का जायजा लिया।

इस दौरान बनी के पास स्थित किमी. संख्या 27 और उन्नाव में किमी. संख्या 35 में बने कंट्रोल रूम को डीएम ने देखा और कार्यप्रणाली समझी। निरीक्षण के दौरान एलीवेटेड रोड एवं बनी से उन्नाव तक ग्रीन फील्ड पर बीते शुक्रवार को यात्रा की। एनएचएआई के अधिकारियों ने उन्हें एक्सप्रेसवे पर कैमरों की संख्या व खूबियों के बारे में बताया। उन्हें कंट्रोल रूम की सुविधाओं और आपात स्थितियों में यात्रियों को मिलने वाली सहूलियत के बारे में बताया। करीब डेढ़ घंटे तक डीएम ने निरीक्षण कर यात्री सुविधाएं देखी। इस दौरान एचएचएआइ के मुख्य महाप्रबंधक गौतम विशाल और परियोजना निदेशक नकुल प्रकाश वर्मा मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट पूरा हो गया है। एक्सप्रेसवे पर वाहनों की निगरानी के लिए 63 पैन टिल जूम कैमरे लगाए गए हैं। 21 इंटरचेंजबल लेंस कैमरे लगाए गए हैं। 16 वीआइडीएस यानी वीडियो इमेज डिटेक्शन सिस्टम के कैमरे लगाए गए हैं।

वेव्स डॉक बाजार 19 देशों और 35 भाषाओं की 155 वैश्विक प्रविष्टियों में से 12 परियोजनाओं को चुनाव

एनएफडीसी ने वेव्स डॉक बाजार 2026 में हिस्सा लेने वाले तीन बेहतरीन परियोजनाओं के लिए 3 लाख रुपये का नकद अनुदान देने की घोषणा की

(जीएनएस)।

नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएफडीसी) ने 19वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ), 2026 के दौरान होने वाले वेव्स डॉक बाजार के दूसरे संस्करण के लिए 'वेव्स डॉक बाजार रिकमेंड्स' कार्यक्रम के तहत चुने गए परियोजनाओं की घोषणा की है।

एमआईएफएफ का यह बाजार खंड 16 से 18 जून, 2026 तक मुंबई के डॉ. गोपालराव देशमुख मार्ग पर स्थित एनएफडीसी के मुख्यालय में आयोजित किया जाएगा। इसमें वृत्तचित्र, लघु फिल्म और एनिमेशन इकोसिस्टम से जुड़े फिल्मकार, निमार्ता, प्रसारणकर्ता, वितरक, फेस्टिवल प्रोग्रामर्स और उद्योग जगत के पेशेवर एक साथ आएंगे।

वेव्स डॉक बाजार फिल्म उद्योग का एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जिसका उद्देश्य 'व्यूइंग रूम', 'वर्क-इन-प्रोग्रेस (डब्ल्यूआईपी) लैब' और 'बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) बैठक' जैसी पहलों के जरिए सहयोग, नेटवर्किंग और बाजार से संबंधित अवसरों को बढ़ावा देना है।

उभरती प्रतिभाओं को समर्थन प्रदान करने और कहानी कहने की असरदार कला को बढ़ावा देने की एक अहम पहल के तहत, एनएफडीसी ने वेव्स डॉक बाजार 2026 में हिस्सा लेने वाले तीन बेहतरीन परियोजनाओं के लिए 3 लाख रुपए का नकद अनुदान देने की घोषणा की है। ये अनुदान उन परियोजनाओं को दिए जाएंगे जिनमें बेहतरीन रचनात्मक सोच, दिलचस्प कहानी, कलात्मक खूबी और भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दर्शकों को जोड़ने की क्षमता हो।

'वर्क-इन-प्रोग्रेस लैब' में हिस्सा ले रहे चार परियोजनाओं समेत वेव्स डॉक बाजार रिकमेंड्स के तहत चुने गए प्रोजेक्ट्स में 12 परियोजनाएं शामिल हैं। डब्ल्यूआईपी लैब के जरिए, चुने गए फिल्मकार अपनी फिल्मों के रफ कट्स को अंतरराष्ट्रीय परामर्शदाताओं एवं एडिटरों के एक सम्मानित पैनल के सामने पेश करेंगे। उन्हें अपनी परियोजनाओं को और बेहतर बनाने तथा उन्हें फिल्म उद्योग में बड़े स्तर पर जुड़ने और वितरण के अवसरों के लिए तैयार करने के लिए जरूरी प्रतिक्रिया, मार्गदर्शन और सलाह मिलेगी।

इसके अलावा, वेव्स डॉक बाजार रिकमेंड्स लाइन-अप के तहत आठ परियोजनाओं को चुना गया है।

यदि बेअसर साबित हो रही हैं बीपी की दवाएं...जीवनशैली बदलिए जनाब

(जीएनएस)।

लखनऊ। कई दवाओं का संयोजन भी आधे से अधिक रोगियों का रक्तचाप (बीपी) नियंत्रित नहीं कर पा रहा है। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में 18 महीने के दौरान 94 मरीजों पर हुए अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। ऐसे मरीजों को जीवनशैली संबंधी बदलाव करने के सुझाव दिए गए हैं। इस अध्ययन को राष्ट्रीय जर्नल में स्थान मिला है।

माता-पिता को ब्लड प्रेशर है तो आप कैसे बचें?

हेल्थ एंड फिटनेस- अध्ययनकर्ता प्रो. भुवन चंद्र तिवारी ने बताया कि उपचार-प्रतिरोधी उच्च रक्तचाप (रेसिस्टेंट हाइपरटेंशन) तब होता है जब तीन अलग-अलग वर्ग की रक्तचाप नियंत्रक दवाओं के उपयोग के बाद भी बीपी नियंत्रित न हो। ऐसे मरीजों में हृदयाघात, स्ट्रोक और किडनी फेल होने का जोखिम सामान्य मरीजों की तुलना में अधिक होता है।

इसको देखते हुए उपचार-प्रतिरोधी उच्च रक्तचाप के 94 मरीजों पर चार दवाओं के संयोजन के प्रभाव का अध्ययन किया गया। मरीजों की औसत आयु करीब 55 वर्ष रही, जिनमें लगभग 64 फीसदी पुरुष प्रतिभागी थे। इन मरीजों पर चार दवाओं के संयोजन का उपयोग करने के बावजूद 12 सप्ताह के इलाज के बाद केवल 42.6 फीसदी मरीजों का रक्तचाप लक्ष्य स्तर तक पहुंच सका।

यह अध्ययन कार्डियोलॉजी और फामाकीलॉजी विभाग ने संयुक्त रूप से किया। इसमें डॉ. स्निग्धा स्वगतिका, डॉ. अर्पिता सिंह, डॉ. भुवन चंद्र तिवारी, डॉ. आशीष झा, डॉ. अतुल जैन, डॉ. पूजा शुक्ला, डॉ. गोविंद मिश्रा और डॉ. अरविंद सिंह शामिल रहे।

रक्तचाप नियंत्रित न हो तो ये करें

प्रो. भुवन चंद्र तिवारी के अनुसार अगर दवाओं के बावजूद रक्तचाप नियंत्रित न हो तो नियमित फॉलोअप, नमक का सीमित सेवन और वजन नियंत्रण जैसी जीवनशैली संबंधी रणनीतियां भी जरूरी हैं। शारीरिक गतिविधि और तनाव प्रबंधन भी इसमें सहायक होते हैं।

लखनऊ में बढ़ रहा उच्च रक्तचाप का बोझ

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के अनुसार लखनऊ में 30 वर्ष से ऊपर के लगभग हर तीसरे व्यक्ति को बीपी की समस्या है। यह आंकड़ा राष्ट्रीय औसत से अधिक है। एक सामुदायिक अध्ययन में लखनऊ के शहरी इलाकों के 29 फीसदी लोगों में हाइपरटेंशन पाया गया।

उच्च रक्तचाप के कारण :

असंतुलित आहार, व्यायाम न करना, वजन का तेजी से बढ़ना, तनाव, शराब और तंबाकू (सिगरेट) का अत्यधिक सेवन, शुगर (डायबिटीज), किडनी की बीमारी या स्लीप एपनिया।

टेली-लॉ पहल योजना और 'सुधार उत्सव' के अंतर्गत धर्मशाला, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में 15 जून, 2026 को क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजन

न्याय तक समग्र पहुंच के लिए अभिनव समाधान तैयार करने (दिशा) की टेली-लॉ पहल योजना और 'सुधार उत्सव' के अंतर्गत धर्मशाला, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में 15 जून, 2026 को क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजन

(जीएनएस)।

भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग द्वारा 'दिशा' योजना के अंतर्गत एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह केंद्रीय क्षेत्र योजना न्याय विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही है। इस क्षेत्रीय कार्यशाला और 'सुधार उत्सव' का आयोजन 15 जून 2026 को दोपहर 1:00 बजे से सरकारी डिग्री कॉलेज (पीजी) सभागार , धर्मशाला, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में किया जाएगा । यह कार्यक्रम न्याय तक पहुंच को मजबूत करने, कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देने, जनहित के लिए कानूनी सेवाओं की संस्कृति को बढ़ावा देने और पिछले बारह वर्षों में न्याय के क्षेत्र में किए गए परिवर्तनकारी सुधारों को दशार्ने के लिए विभाग की निरंतर प्रतिबद्धता के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल और माननीय मुख्यमंत्री के साथ-साथ विधि और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के भी भाग लेने की उम्मीद है।

कार्यक्रम का शुभारंभ औपचारिक आयोजन के साथ होगा जिसके बाद न्याय विभाग के सचिव स्वागत भाषण देंगे, जिसमें वे इस क्षेत्रीय कार्यशाला के उद्देश्य और सभी के लिए समावेशी, किफायती और सुलभ न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में विभाग के निरंतर प्रयासों के बारे में बताएंगे।

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण "न्याय प्रबोध - न्याय के प्रति जागरूकता" का शुभारंभ होगा। यह एक साल तक चलने वाला कानूनी जागरूकता अभियान है। इसका उद्देश्य नागरिकों को उनके संवैधानिक और कानूनी अधिकारों और जिम्मेदारियों की जानकारी प्रदान करना है। यह अभियान कानूनी साक्षरता को बढ़ावा देने और न्याय व्यवस्था में जनता की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने का प्रयास है। न्याय प्रबोध पहल के अंतर्गत कई नागरिक-केंद्रित कार्य शुरू किए जाएंगे। इनमें शामिल हैं:

90 सेकंड में अपने अधिकारों को जानें , यह एक कानूनी जागरूकता पहल है जिसे नागरिकों के बीच कानूनी अधिकारों और उपायों की बेहतर समझ को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है;

न्याय प्रश्नोत्तरी , यह चर्चा के लिए एक मंच है जिसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और छात्रों के बीच संवैधानिक मूल्यों, कानूनी संस्थानों और नागरिकों के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

जनहित के लिए प्रतिज्ञा , अधिवक्ताओं, कानून के छात्रों और कानूनी पेशेवरों को समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के लाभ के लिए स्वेच्छा से अपने ज्ञान और विशेषज्ञता का योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचपीएनएलयू) द्वारा शुरू की गई निःशुल्क कानूनी सेवाओं पर एक भाग भी शामिल होगा। इसमें संकाय सदस्य और सामुदायिक कानूनी सेवा में लगे छात्र अनुभव साझा करेंगे।

इसके बाद टेली-लॉ पहल के अंतर्गत लाभार्थियों के विचार पर एक वृत्तचित्र दिखाया जाएगा साथ ही टेली-लॉ पैनल के वकीलों, ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) और लाभार्थियों के साथ सीधी बातचीत होगी। इसमें जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी-आधारित कानूनी सेवाओं के प्रभाव को दिखाया जाएगा।

6 करोड़ लखपति दीदियों का लक्ष्य पूरा करने के लिए 700 शी-मार्ट और 1,000 ज़िला फुलफि लमेंट सेंटर बनाए जाएंगे

ग्रामीण विकास सचिव ने डे-एनआरएलएम के अंतर्गत मार्केटिंग पहलों की समीक्षा की; महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए बाजार तक पहुँच बढ़ाने पर बल दिया

क्षमता निर्माण, उद्यम को बढ़ावा देना, ओएनडीसी के साथ साझेदारी और वित्तीय समावेशन मुख्य प्राथमिकताएं बनी रहेंगी

(जीएनएस)।

ग्रामीण विकास विभाग ने छह करोड़ लखपति दीदियों को तैयार करने के लिए एक रणनीति बनाई है। इस रणनीति के मुख्य हिस्से हैंः उद्यम को बढ़ावा देकर आजीविका के बेहतर अवसर सृजित करना, ग्रामीण महिलाओं के लिए वित्तीय समावेशन को बेहतर बनाना, और स्वयं सहायता समूह (शी) के सदस्यों के लिए क्षमता निर्माण, मार्केटिंग गतिविधियों, प्रशिक्षण और हैंडहोल्डिंग सहायता पर ध्यान देना। भारत सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री रोहित कंसल की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में इस पर चर्चा की गई। इस बैठक का उद्देश्य दीनदयाल अंत्योदय योजना झ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डे-एनआरएलएम) और इसकी विभिन्न उप-योजनाओं की प्रगति का आकलन करना था। बैठक में संयुक्त सचिव सुश्री स्वाति शर्मा और सुश्री जयश्री एम.जी. के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका प्रभाग और राष्ट्रीय मिशन प्रबंधन इकाई के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

बातचीत का मुख्य मकसद एक मजबूत और इंटीग्रेटेड मार्केटिंग इकोसिस्टम बनाना था। इससे ग्रामीण महिला प्रोड्यूसर सिर्फ. रोजी-रोटी कमाने से आगे बढ़कर, पेशेवर तरीके से मैनेज किए जाने वाले और समुदाय के मालिकाना हक वाले ऐसे उद्यमों की मालिक बन सकेंगी, जिनकी संगठित बाजारों तक लगातार पहुँच हो। चर्चा में समुदाय के मालिकाना हक वाले रिटेल सिस्टम, एक यूनिफाइड नेशनल मार्केटिंग पहचान, डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म, मुख्य रिटेल इंफ्रास्ट्रक्चर, संस्थागत सहायता तंत्र और संबंधित गाइडलाइंस के ऑपरेशनल तौर पर तैयार होने जैसे मुद्दों पर बात हुई।

बैठक में बताया गया कि विभाग शी -आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए 700 शी-मार्ट, 1,000 डिस्ट्रिक्ट फुलफिलमेंट सेंटर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने के साथ-साथ राज्य-स्तरीय फेडरेशन को मजबूत करने का प्रस्ताव है। शी-मार्ट को ज्यादा संभावना वाली कमर्शियल जगहों पर बनाने का प्रस्ताव है, जहाँ शी उत्पादों के लिए बाजार तक लगातार पहुँच सुनिश्चित करने के लिए मजबूत बैकवर्ड और फॉरवर्ड मार्केट लिंकेज हों। काम को बेहतर ढंग से लागू करने के लिए, सचिव जी ने गतिविधियों का एक विस्तृत सालाना कैलेंडर तैयार करने का निर्देश दिया और समय-सीमा का सख्ती से पालन करने पर बल दिया। उन्होंने एक बड़े पुरस्कार ढांचा के जरिए शी सदस्यों और सामुदायिक संस्थाओं के बेहतरीन योगदान को पहचानने और उन्हें सम्मानित करने पर भी बल दिया। प्रस्तावित श्रेणी में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य, सबसे अच्छी महिला उद्यमी, सबसे अच्छी डिजिटलाइजेशन पहल, सबसे ज्यादा शी फंड ट्रांसफर उपलब्धि, लखपति दीदी पुरस्कार और ग्रामीण आजीविका इकोसिस्टम में उत्कृष्टता को पहचानने वाली अन्य श्रेणी शामिल हैं।

खेती-बाड़ी से अलग आजीविका और मार्केटिंग पहलों की समीक्षा करते हुए, सचिव ने संशोधित सरस मेला गाइडलाइंस बनाने और जारी करने का निर्देश दिया। साथ ही शी उत्पादों की बिक्री के मौकों और बाजार तक पहुँच को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर सरस मेलों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रोड्यूसर ग्रुप ऐप लॉन्च करने और जन समर्थ पोर्टल के जरिए जमा किए गए लोन आवेदनों में देरी को दूर करने के निर्देश भी जारी किए। उन्होंने डे-एनआरएलएम क्रेडिट-लिंक्ड स्कीम के बारे में बैंकरों के बीच जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर भी बल दिया।

समीक्षा में 'सरस आजीविका' के लिए प्रस्तावित यूनिफाइड नेशनल मार्केटिंग पहचान की भी समीक्षा की गई।

इसका उद्देश्य बिखरी हुई ब्रांडिंग को एक ही, प्रीमियम और सांस्कृतिक रूप से जुड़े राष्ट्रीय ब्रांड में बदलना है। इस पहल का उद्देश्य बेहतर प्रोडक्ट पोजिशनिंग और अच्छी पैकेजिंग के जरिए बाजार में पहचान बढ़ाना है, जो उत्पादों के पीछे के कारीगरों और समुदायों को उजागर करे।

री-डिजाइन किए गए ई-सरस पोर्टल पर हुई प्रगति की भी समीक्षा की गई। स्व-सहायता समूह के उत्पादों की डिजिटल पहुंच बढ़ाने के लिए इस प्लेटफॉर्म को सिंगल-वेंडर वेबसाइट से बदलकर मल्टी-वेंडर, ओमनी-चैनल मार्केटप्लेस बनाया जा रहा है। इसके अलावा, नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में प्रमुख 'सरस गैलरी' को नए सिरे से तैयार करने की योजनाओं पर भी चर्चा हुई। इसमें ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने और रिटेल परफॉर्मेंस को मजबूत करने पर ध्यान दिया गया।

प्रोडक्ट इनोवेशन, डिजाइन डेवलपमेंट, पैकेजिंग में सुधार, क्वालिटी कंप्लायंस और क्षमता निर्माण के लिए नेशनल हब बनाने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया। उम्मीद है कि ये हब उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता और बाजार में उनकी तैयारी को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

बैठक का एक मुख्य हिस्सा हर पहल के लिए विस्तृत कामकाजी दिशा-निर्देश पेश करना था। ये दिशा-निर्देश राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एक सामान्य रूपरेखा, मानक परिचालन प्रक्रियाएं और स्पष्ट रूप से तय भूमिकाएं, समय-सीमा और प्रक्रियाएं प्रदान करती हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास और जनकल्याण के नये कीर्तिमान स्थापित किये : राजस्व व भूमि सुधार मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल

स्वच्छ भारत मिशन के तहत करोड़ों शौचालय बनने से महिलाओं की गरिमा व सुरक्षा सुनिश्चित हुई है.

उज्ज्वला योजना से देश की लाखों महिलाओं को खाना पकाने के दौरान धुआं से मिली मुक्ति

(जीएनएस)।

अररिया. बिहार सरकार के राजस्व व भूमि सुधार मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं. राजस्व व भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल शनिवार को अररिया में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं. उन्होंने कहा कि पहले सरकार द्वारा भेजी गयी सहायता का बड़ा हिस्सा बिचौलियों के कारण लाभुकों तक नहीं पहुंच पाता था. प्रधानमंत्री मोदी ने जनधन, आधार व मोबाइल यानी जेएम व्यवस्था के जरिये इस समस्या का समाधान किया. करोड़ों गरीबों के जनधन खाते खुलने से अब योजनाओं की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में जाती है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से करोड़ों किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक मदद मिल रही है. वर्ष 2019 से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के लगभग 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन दिया जा रहा है. दुनिया के कई देश जब चुनौतियों से जूझ रहे हैं. भारत अपने गरीबों व जरूरतमंदों की चिंता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है. आयुष्मान भारत योजना से देश में करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है. स्वच्छ भारत मिशन के तहत करोड़ों शौचालय बनने से महिलाओं की गरिमा व सुरक्षा सुनिश्चित हुई है.

करोड़ों घर तक पहुंचा स्वच्छ पेयजल

जल जीवन मिशन से करोड़ों घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचा है. वहीं उज्ज्वला योजना से देश की लाखों महिलाओं को खाना पकाने के दौरान धूआं से मुक्ति मिली है. राजस्व व भूमि सुधार मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं के साथ आधारभूत ढांचों के निर्माण को भी नई गति दी है. गंगा पर कई नये पुल बने हैं. कोसी क्षेत्र के विकास के लिये करीब 6000 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं. ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में काम हो रहा है व रैपिड रेल जैसी परियोजनाओं की प्रगति निरंतर जारी है. उन्होंने बताया कि 2014 से पहले देश में केवल 74 हवाई अड्डे थे. वहीं अब इसकी संख्या बढ़ कर करीब 90 हो गयी है. नये हवाई अड्डों का तेजी से निर्माण व विकास हो रहा है. सड़क संपर्क मामले में भी देश में अभूतपूर्व काम हुआ है. राष्ट्रीय राजमार्गों का बड़ा नेटवर्क तैयार हुआ है. स्वास्थ्य क्षेत्र में 23 नये एम्स की स्वीकृति से लोगों को बेहतर इलाज की सुविधा सहजता पूर्वक मिल रही है. श्री जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व आज वैश्विक स्तर पर सम्मान का प्रतीक है. विकसित भारत के संकल्प के साथ केंद्र सरकार देश को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिये काम कर रही है. मौके पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अनामिका पासवान, भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा, जिला मीडिया प्रभारी सुमित कुमार सुमन, नरपतगंज विधायक देवयंती यादव, सिकटी विधायक विजय कुमार मंडल, पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष सुराणा, अररिया जिला प्रभारी विजय शंकर चौधरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे.